डॉ. राकेश मोहन, उप गवर्नर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन*

माननीय प्रधान मंत्री डॉ.मनमोहन सिंह, हमारे भूतपूर्व गवर्नर का रिज़र्व बैंक के इतिहास का विमोचन एवं प्रगत वित्तीय अध्ययन केंद्र का उद्घाटन करने के लिए आना भारतीय रिज़र्व बैंक में हम सभी के लिए बहुत ही गौरव की बात है। यह दोनों ही कार्य बहुत समीचीन हैं क्योंकि इतिहास उस समय को समेटे हुए है जब प्रधान मंत्री ने इसके गवर्नर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था और केंद्र का उद्घाटन हमारे उस भावी विकासात्मक दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है जो कि वित्तीय क्षेत्र के विकास का प्रतीक है। यदि मुझे अपने निजी विचार प्रस्तुत करने की स्वतंत्रता हो तो मैं कहना चाहूंगा कि 16 वर्ष विदेश में बिताने के बाद 1980 में जब मैं योजना आयोग में आया था, तो डॉ. मनमोहन सिंह ने वहाँ पहली बार मेरा स्वागत किया था और दुबारा 1986 में वापस आया तो योजना आयोग के उपाध्यक्ष की हैसियत से उन्होंने पुनः मेरा स्वागत किया था। श्रीमान् जी ! इसलिए मुझे इस बात की खुशी है कि रिज़र्व बैंक में आपका स्वागत करने का मुझे सुअवसर प्राप्त हुआ है। मैं रिज़र्व बैंक परिवार के प्रत्येक सदस्य की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं कि आप इस अवसर पर यहां पधारे और हमारे विकास की इन उपलब्धियों को आपने गौरवान्वित किया।

इस वर्ष की मुद्रा और वित्त के खंड का संकलन हमारे स्टाफ के लिए बहुत ही मुश्किल कार्य था। अतः हम वित्त मंत्री श्री चिदंबर जी के बहुत ही आभारी हैं कि वे इस खंड के विमोचन के लिए सहमत हुए और यह भी कि ऐसा किसी वित्त मंत्री ने पहली बार किया है। इसके लिए श्रीमान् जी वास्तव में आपको बहुत बहुत धन्यवाद।

ऐसा अवसर कभी-कभी आता है कि हम जिस राज्य में स्थित हैं उसके माननीय राज्यपाल श्री एस.एम.कृष्णा और माननीय मुख्यमंत्री श्री विलासराव देशमुख के आतिथ्य का हमें सौभाग्य मिले । हम इस बात की बहुत सराहना करते हैं कि आपने रिज़र्व बैंक के इस यादगार अवसर के लिए समय निकाला। हमारे लिए यह बहुत महत्वपूर्ण बात है कि आप आज हमारे साथ है।

हमें इस बात की खुशी है कि हमारे भूतपूर्व गवर्नर श्री एम.नरसिंहम, श्री एस. वेंकिटारमणन, डॉ.सी. रंगराजन और डॉ. विमल जालान हमारे साथ है। हम इस बात के लिए आपको धन्यवाद देते हैं कि आपने मुंबई तक आने के लिए यात्रा करने का कष्ट उठाया। हम विशेष रूप से डॉ.रंगराजन के आभारी हैं जिन्होंने कई कठिन परिस्थितियों के बावजूद इतिहास के इस संकलन कार्य को मार्गदर्शन प्रदान किया। उनके मार्गदर्शन के बिना हम आज यहां न होते । मैं इतिहास के संकलन में अपना पूर्ण योगदान देने के लिए डॉ. ए.वासुदेवन, सुश्री बाटलीवाला और टी. सी. ए. श्रीनिवास राघवन को और रिज़र्व बैंक इतिहास कक्ष के स्टाफ को धन्यवाद देता हूँ।

मैं आर्थिक विश्लेषण और नीति विभाग के अपने सभी स्टाफ की भी प्रशंसा करता हूँ कि उन्होंने इस वर्ष के संस्करण मुदा और वित्त की रिपोर्ट को तैयार करने में कष्ट साध्य काम किया।

हमें डॉ.आर.एच.पाटील के नेतृत्व में बैंकर प्रशिक्षण महाविद्यालय की परामर्श दात्री समिति से बहुत सहायता मिली। हम आपकी इस निःस्वार्थ सेवा के लिए धन्यवाद देते हैं जिसके कारण प्रगत वित्तीय अध्ययन केंद्र की संकल्पना साकार हुई । हमें आशा है कि हम आपकी आशा के अनुरूप खरे उतरेंगे।

मैं सभी अतिविशिष्ट अतिथियों को इस अवसर पर धन्यवाद देना चाहूंगा जिन्होंने अपनी उपस्थिति से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

अंत में, मैं रिज़र्व बैंक के उन सभी स्टाफ को बधाई देता हूँ जिन्होंने समारोह को सफल बनाने में जी-तोड़ मेहनत की । मैं प्रधान मंत्री के कार्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों और राज्य शासन के सभी अधिकारियों एवं सुरक्षा एजेंसियों के स्टाफ को भी धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने इसमें हमारी बहुत मदद की।

* भारतीय रिज़र्व बैंक, मुंबई में 18 मार्च 2006 को भारतीय रिज़र्व बैंक के इतिहास के तीसरे खंड के विमोचन के अवसर पर ।